जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 135
दिनांक 24.08.2023

मिलेट्स उत्पादक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में बदलाव हेतु कृषि अधिकारी महत्वपूर्ण कड़ी– डॉ. जी.के. कौतू

श्री अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्य संबर्धित खाद्य उत्पादों विषय पर दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण का शुभारंभ

जबलपुर 24 अगस्त, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय श्री अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्य संबर्धित खाद्य उत्पादों के मास्टर ट्रेनर हेतु प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिवनी, डिंडोरी, मंडला, छिंदवाड़ा, कटनी एवं जबलपुर जिले के लगभग 30 कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी. के. कौतू ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज वैश्विक स्तर पर मिलेट्स के प्रति आम जनमानस में रुझान तेजी से बढ़ रहा है, इन परिस्थितियों में आज श्री अन्न आदिवासी क्षेत्र में बेहतर उत्पादन करें एवं उसका उत्पादकता बढ़ाने हेतु ध्यान देने की आवश्यकता है। प्राप्त उत्पाद को मूल संबर्धन एवं बेहतर मार्केटिंग की आवश्यकता है। इस दिशा में हमारे कृषि विभाग के अधिकारी एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं। आपका समर्पण एवं मार्गदर्शन किसानों में निश्चित ही बदलाव लाएगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. पी.बी. शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री अन्न के उत्पादन तकनीक के साथ ही जैविक एवं प्राकृतिक खेती के विभिन्न शस्य क्रियाओ का ज्ञान होना अति आवश्यक है, साथ ही आपने डिजिटल मार्केटिंग की ओर ध्यान देने हेतु बात कही। कार्यक्रम में संयुक्त संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग,जबलपुर श्री के.एस. नेताम ने बताया कि यह प्रशिक्षण आप लोगों को पूर्ण समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ प्राप्त करना होगा, ताकि आप अपने क्षेत्र विशेष में किसानों के उत्थान एवं विकास हेतु कार्य करें, साथ ही अपने–अपने कार्य क्षेत्रों में किसानों के समूह बनाकर उन्हें आजीविका के साधन के रूप में मिलेट्स को कैसे अपना जीवन बेहतर कर सकते हैं, इस दिशा में कार्य करने हेतु प्रेरित किया। परियोजना संचालक आत्मा डॉ. एस. के. निगम ने बताया कि श्री अन्न उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीक एवं पहचान कैसे करें साथ ही बेहतर उत्पादन हेतु किन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इस विषय पर आपने प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र के प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन देते हुए खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. शुक्ला ने बताया कि इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर को श्री अन्न की मशीनों द्वारा दराई, सफाई एवं प्राथमिक प्रसंस्करण, भंडारण तकनीक, श्री अन्न की विभिन्न प्रकार के बेकरी उत्पाद बनाने की तकनीक, मूल्य संबर्धित उत्पाद व विपणन कैसे करें। श्री अन्न का विपणन उद्यमिता समूह के माध्यम से करने की जानकारी, श्री अन्न से पास्ता बनाने की प्रायोगिक प्रशिक्षण एवं अन्य व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। ताकि हमारे मास्टर ट्रेनर अपने–अपने कार्य क्षेत्र में जाकर श्री अन्न उत्पादक किसानों को बेहतर जानकारी के साथ प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।

उद्घाटन सत्र में संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी. के. कौतू, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. पी.बी. शर्मा, श्री के.एस. नेताम, डॉ. एस.के. निगम मचासीन रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना पांडे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आभार प्रदर्शन डॉ.राजेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. अल्पना सिंह, डॉ. प्रतिभा परिहार, डॉ. अर्चना पांडे, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल, सहित वैज्ञानिक, विभाग के कर्मचारी आदि की उपस्थिति रही।